Bihar Board Class 6 Social Science Geography Notes Chapter 4 पृथ्वी के प्रमुख स्थल रुप

पाठ का सारांश

पर्वत तीन प्रकार के होते हैं :

1. वलित पर्वत – इनकी सतह उबड़-खाबड़ एवं शिखर शंक्वाकार होती है। जैसे-भारत का हिमालय पर्वत एवं अरावली पर्वत।।

2. भ्रंशोत्थ पर्वत – पृथ्वी के आंतरिक हलचलों के कारण पृथ्वी पर दरारें पड़ जाती हैं। दो दरारों के बीच का भाग ऊपर उठ जाता है। इस ऊँचे उठे भाग को भ्रंशोत्थ पर्वत कहा जाता है। सतपुड़ा पर्वत इसका उदाहरण है।

3. ज्वालामुखी पर्वत – ज्वालामुखी से निकले लावा एवं अन्य पदार्थों के ठंडा होकर जम जाने से जिन पर्वतों का निर्माण होता है उसे ज्वालामुखी पर्वत कहते हैं। इटली का विसुवियस पर्वत इसका उदाहरण है। भारत में ज्वालामुखी पर्वत नहीं पाये जाते हैं। कम ऊँचाई के पर्वतों को पहाड कहा जाता है।

- पठार आस-पास की भूमि से ऊँचा होता है तथा उसके ऊपर का भाग सपाट होता है।
- तिब्बत का पठार संसार का सबसे ऊंचा पठार है, इसलिए इसे 'संसार का छत' भी कहा जाता है।
- पर्वत से निकलने वाली नदियों के जल का उपयोग सिंचाई तथा पन बिजली उत्पादन किये जाते हैं।
- पर्वतों पर कई प्रकार की वनस्पतियां तथा जीव-जंत पाये जाते हैं।
- घने जंगल, अत्यधिक उंचाई एवं परिवहन का अभाव होने से यहां का जीवन मैदानों की अपेक्षा कठिन होता है।
- बिहार का अधिकतर भाग गंगा नदी के दोनों तरफ-मैदानी भाग के रूप में फैला हुआ है। इसमें कृषि कार्य होता है।
- पश्चिम में पंजाब से लेकर पूरब में आसाम तक के इलाके सतलज, गंगा और ब्रह्मपुत्र का मैदान कहलाते हैं।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/